कोटा : पीडब्ल्यूडी के निलंबित एक्सईएन और ठेकेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

एसीबी ने सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार करने सहित अन्य मामलों को लेकर मुकदमा दर्ज किया है

कोटा, (निसं)। सार्वजनिक निर्माण विभाग के निलंबित अधिशासी अभियंता और ठेकेदार के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार करने सहित अन्य मामलों को लेकर 17 नवम्बर को मुकदमा दर्ज किया है। मामले में एक्सईएन और ठेकेदार के खिलाफ घटिया सड़क निर्माण के दौरान फर्जी बिल और एसटीपी के जरिए भुगतान उठाने का भी आरोप है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार ने बताया कि सड़क का निर्माण 2014-15 के बीच हुआ था, इसकी शिकायत रंगबाड़ी योजना निवासी एक व्यक्ति ने वर्ष 2018 में की थी। पूरे मामले की पुलिस उपअधीक्षक अनीस अहमद जांच कर रहे थे। जांच पूरी करने के बाद फाइल जयपुर भेजी गई थी। एसीबी के पुलिस उप अधीक्षक अनीस अहमद ने बताया कि पीडब्ल्यूडी ने साल 2014 व 2015 के बीच निमोदा उजाड़ से पीपल्दा सांड, इन्द्रगढ़ ढीबरी से बिशनपुरा का सड़क निर्माण का काम करवाया था। परिवादी ने सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए अधिशाषी अभियंता और ठेकेदार के खिलाफ शिकायत एसीबी को दी थी।

परिवादी ने शिकायत में कहा था

- **एक्सईएन और ठेकेदार के खिलाफ घटिया सड़क निर्माण के दौरान फर्जी बिल और एसटीपी के जरिए भुगतान उठाने का भी आरोप है**

कि दोनों पैकेज निर्माण कार्यों में ठेकेदार मैसर्स अमित कंस्ट्रक्शन के प्रोपराईटर ने फर्जी सीआरसी और एसटीपी का उपयोग किया और पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों से मिलीभगत कर बिलों का भुगतान प्राप्त किया। एसीबी के पुलिस उपअधीक्षक ने बताया कि मामले में तीन बिन्दुओं पर जांच की थी, जांच में सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार, भुगतान बिल में फर्जी दस्तावेज लगाना और पद के दुरूपयोग की पुष्टि हुई। मामले में करीब 3.5 करोड़ के हुए निर्माण कार्य में परिवादी की शिकायत पर पीडब्ल्यूडी की क्वालिटी कंट्रोल की टीम ने जांच की थी। उनकी जांच में कई फैक्ट्स सामने आए थे। जांच रिपोर्ट में कहा गया कि कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुरूप नहीं पाया गया इसमें कई जगह पर सड़क की मोटाई प्रावधान से कम थी पैचवर्क घटिया क्वालिटी का था। मामले की जांच की गई तो सड़क निर्धारित गुणवत्ता से नहीं बनी है, साथ ही इमल्सन का बिल भी रिफाईनरी से जारी नहीं होना सामने आया है, ये फर्जी है। वहीं, खनन विभाग की ओर से जारी होने वाले एसटीपी (शोर्ट टर्म परमिट) भी फर्जी निकली है।

मामले में कोटा के कुन्हाड़ी निवासी सुल्तानपुर के तत्कालीन सहायक अभियंता और वर्तमान में निलंबित अधिशाषी अभियंता भंवरलाल महावर और मैसर्स अमित कंस्ट्रक्शन के प्रोपराईटर प्रताप नगर निवासी अमित रोहिड़ा के खिलाफ भ्रष्टाचार प्रमाणित मिला है। इसके आधार पर मुख्यालय ने मामले में मुकदमा दर्ज किया है।

अवैध हथियार व लाखों की नगदी बरामद, चार आरोपी गिरफ्त में

देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, एक एयरगन, नगद राशि एवं एक बोलेरो कार जब्त की

कोटा, (निसं)। विज्ञान नगर थाना इलाके में पुलिस टीम ने इलाके में गश्त व चेकिंग के दौरान कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अवैध हथियार देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस व एक एयरगन एवं 10,48,000 नकद राशि एवं एक बोलेरो कार जब्त की है।

- **पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि एक सफेद रंग की बोलेरो कार में तीन-चार बदमाश बैठे हुए हैं, जो थाना जवाहरनगर में लड़ाई-झगड़ा करके फरार हुए हैं जो श्रीराम सर्किल की तरफ जा रहे हैं और उनके पास अवैध हथियार हो सकते है, इस सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई की**

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि सहायक उप निरीक्षक रणजीत सिंह को मय जाप्ता इलाके में गश्त व चेकिंग के दौरान वायरलेस कंट्रोल रूम से सूचना प्राप्त हुई कि एक सफेद रंग की बोलेरो कार में तीन-चार बदमाश बैठे हुए हैं, जो थाना जवाहरनगर में लड़ाई-झगड़ा करके फरार हुए हैं जो श्रीराम सर्किल की तरफ जा रहे हैं और उनके पास अवैध हथियार हो सकते हैं। सूचना पर थाना विज्ञान नगर पुलिस टीम से सहायक उप निरीक्षक दशरथ सिंह को अवगत करवाया गया, जो मय जाप्ता के थाने से रवाना हुए। पुलिस टीम को श्रीराम सर्किल के पास टूटे शीशों वाली सफेद कार धीमी गति से चलती दिखी। पुलिस वाहन देखकर कार चालक कार को तेज भगाने का प्रयास करने लगा, जिस पर पुलिस टीम ने बोलेरो कार को रोका और कार की तलाशी ली तो कार के डैशबोर्ड में सफेद पॉलीथीन में छिपाकर रखा एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस व एक एयरगन तथा पिछली सीट पर रखे आसमानी-नीले रंग के थैले में 10,48,000 नगदी मिली। पूछताछ में नगदी के संबंध में संतोषजनक जवाब न मिलने पर नयागांव निवासी जितेन्द्र सिंह (39), किशोरपुरा निवासी अनिल (38), विज्ञान नगर निवासी रोहित जगताप (38) एवं नयापुरा निवासी महेन्द्र सिंह (47) को गिरफ्तार किया।

अलवर कोर्ट परिसर से पुलिस कस्टडी से भागा पॉक्सो का आरोपी

मूसी महारानी की छतरी होते हुए पहाड़ी पर पहुंचा आरोपी, पुलिसकर्मियों और कोर्ट कर्मचारियों ने दौड़कर दबोच लिया

अलवर, (निसं)। शहर के कोर्ट परिसर में गुरुवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पॉक्सो के एक मामले में पेशी पर लाया गया आरोपी पुलिस कस्टडी से फरार हो गया। पुलिसकर्मियों के हाथ से छूटकर भागा आरोपी मूसी महारानी की छतरी होते हुए सागर की पहाड़ी पर जा चढ़ा। आरोपी को भागता देख पुलिसकर्मियों और कोर्ट कर्मचारियों ने उसके पीछे दौड़ लगा दी। काफी मशक्कत और घेराबंदी के बाद पुलिस ने उसे पहाड़ी पर ही पकड़ लिया।

जानकारी के अनुसार, शहर कोतवाली थाना पुलिस पॉक्सो के एक प्रकरण में आरोपी मोहित मीणा को गुरुवार को कोर्ट में पेश करने के लिए लाई थी। शाम को कोर्ट परिसर स्थित बंदीगृह से पुलिसकर्मी उसे बाहर लेकर निकले। इसी दौरान आरोपी अचानक पुलिसकर्मियों के हाथ छुड़ाकर भाग निकला। आरोपी के फरार होते ही पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया और उन्होंने तत्काल उसका पीछा शुरू कर दिया। आरोपी मूसी महारानी की छतरी के रास्ते सागर की पहाड़ी की तरफ भागा और पहाड़ी पर चढ़ गया। उसके पीछे पुलिसकर्मी और कोर्ट के कर्मचारी दौड़ते हुए पहाड़ी तक पहुंच गए। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को चारों तरफ से घेर लिया। काफी प्रयासों के बाद उसे पकड़ने में सफलता मिली। इस घटनाक्रम के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। आरोपी के दोबारा पकड़े जाने पर पुलिस ने राहत की सांस ली। पुलिस आरोपी को वापस थाने ले आई। मामले में आरोपी के खिलाफ अलग से प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

घर के बाहर खड़े बच्चे को कार ने कुचला

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के चीतरी थाना क्षेत्र के लिंबडिया गांव में सड़क किनारे खड़े 5 वर्षीय रोशन पुत्र लक्ष्मणलाल डेंडोर की कार की टक्कर से मौत हो गई। हादसे के बाद ड्राइवर कार लेकर फरार हो गया। पिता लक्ष्मणलाल ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रोशन घर के बाहर सड़क किनारे खड़ा था। इसी दौरान गरियता मार्ग की ओर से तेज गति से आ रही कार ने उसे टक्कर मार दी। मां की आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन चालक भाग चुका था। परिजन घायल रोशन को अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर उसे सागवाडा के निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज शुरू होने से पहले ही उसकी मौत हो गई। रोशन दो भाइयों में बड़ा था। उसके पिता गलियाकोट दरगाह में वॉचमैन हैं।

100 से ज्यादा सरकारी ट्रांसफार्मरों का तेल चुराने वाले पांच शातिरों को पकड़ा

भींडर, (निसं)। सोशल मीडिया पर रील्स बनाकर रौब जमाने और लग्ज़री गाड़ियों में घूमने के महंगे शौक ने पांच युवकों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। भींडर थाना पुलिस ने 100 से अधिक सरकारी बिजली ट्रांसफार्मरों से तेल चुराने वाले शातिर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से करीब 300 लीटर चोरी का तेल भी बरामद किया गया है।

- **सोशल मीडिया पर रील्स और लग्ज़री गाड़ियों का शौक भारी पड़ा**
- **आरोपियों के कब्जे से 300 लीटर चोरी का तेल भी बरामद किया**

थानाधिकारी मुकेशचंद्र ने बताया कि 14 नवंबर को अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, भींडर के कनिष्ठ अभियंता उत्सव कुमार ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में दवेला तालाब स्थित बाबूलाल तेली, हींता निवासी गोकल जाट, ऊंकारलाल जाट व ओमप्रकाश सोनी और बांडा मगरा में सकीना बोहरा के कृषि क्षेत्रों में लगे सिंगल और थ्री-फेज ट्रांसफार्मरों से रात के अंधेरे में तेल चोरी होने की बात सामने आई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में थानाधिकारी मुकेशचंद्र के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने मुखबिर तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दबिश देकर पुलिस ने पांचों आरोपियों को दबोच लिया और न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया। पुलिस ने इस मामले में चित्तौड़गढ़ जिले के सुरपुर कपासन निवासी लोकेश जाट (25), नील का खेड़ा भदेसर निवासी कानसिंह राजपूत (21), उदयपुर जिले के बड़गांव भींडर निवासी भावेश उर्फ गोटा गाडरी (20), गाडरियावास हींता भींडर निवासी विनोद गर्ग (19) और वाना खेरोदा निवासी कमलेश कुमार उर्फ कमु मीणा (18) को गिरफ्तार किया है।

पूछताछ में आरोपियों का तरीका बेहद सुनियोजित मिला। वे एक ही रात में कई वारदातों को अंजाम देने के लिए दो टीमें बनाते थे। पहली टीम किराये के वाहनों से मौके पर पहुंचती और ड्रिल मशीन से ट्रांसफार्मर में छेद कर तेल निकालती थी। दूसरी टीम तुरंत पिकअप वाहन लेकर पहुंचती, चोरी का तेल लादती और सुरक्षित ठिकाने पहुंचा देती थी। इस दौरान पहली टीम अगले ट्रांसफार्मर को निशाना बनाने निकल पड़ती थी। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों का मानना था कि निजी संपत्ति के मुकाबले सरकारी संपत्ति को निशाना बनाना आसान है। तेल बेचकर मिलने वाली रकम से वे खाने-पीने और मौज-मस्ती के शौक पूरे करते थे। साथ ही, वे महंगी और बड़ी गाड़ियां किराये पर लेकर उनमें रील्स बनाते थे और समाज में अपना दबदबा दिखाने के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट करते थे। फिलहाल पुलिस रिमांड के दौरान अन्य वारदातों और चोरी का तेल खरीदने वालों के बारे में गहन पूछताछ कर रही है।

जोधपुर में ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। सोशल मीडिया पर सस्ते दामों में हवाई यात्रा के टिकट उपलब्ध करवाने का विज्ञापन देकर लोगों के साथ कथित रूप से ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ जोधपुर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। इस मामले में तीन व्यक्तियों के नाम सामने आए हैं। पुलिस अब पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

पुलिस उपायुक्त कार्यालय, जोधपुर पूर्व को एक गोपनीय परिवाद प्राप्त हुआ था। परिवाद में आरोप लगाया गया कि हरीश पुत्र दिनेश कुमार सोनी निवासी हस्तीनगर, माता का थान जोधपुर, दिलीप कुमार सोनी पुत्र बालकिशन सोनी निवासी शिवनगर, मसानिया गेट महामंदिर जोधपुर तथा रजनीकांत खत्री उर्फ राजा पुत्र दिनेश कुमार खत्री निवासी गांधी कॉलोनी, सुभाष मार्ग जैसलमेर मिलकर कथित रूप से ठगी का गिरोह संचालित कर रहे हैं। परिवाद के अनुसार आरोपी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर मेटा विज्ञापनों के माध्यम से डिस्काउंट पर हवाई यात्रा के टिकट बुक करवाने से संबंधित विज्ञापन और

- **सोशल मीडिया पर सस्ते हवाई टिकट का विज्ञापन देकर ठगी की थी**

सामग्री अपलोड करते थे। विज्ञापन देखकर संपर्क करने वाले लोगों को टिकट उपलब्ध करवाकर उनका विश्वास जीता जाता और इसके बाद उनसे टिकट की पूरी राशि प्राप्त कर ली जाती थी। आरोप है कि टिकट की राशि प्राप्त करने के बाद संबंधित टिकटों को दोबारा कैंसिल कर दिया जाता था। इसके बाद अलग-अलग पेमेंट गेटवे, मर्चेंट अथवा अन्य माध्यमों से रकम पुन: अपने बैंक खातों और क्रेडिट कार्ड में प्राप्त कर ली जाती थी। इस तरह कथित तौर पर टिकट बुकिंग के नाम पर लोगों के साथ धोखाधड़ी की जाती थी।

परिवाद में दिए गए मोबाइल नंबरों से संबंधित रिकॉर्ड नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल से प्राप्त किया गया। जांच में हरीश सोनी के एक मोबाइल नंबर के खिलाफ महाराष्ट्र के मीरा-भायंदर क्षेत्र के पुलिस थाना वालिव में ऑनलाइन टिकट बुकिंग फ्रॉड की शिकायत दर्ज होना सामने आया। वहीं दूसरे मोबाइल नंबर के खिलाफ उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित महानगर थाने में ऑनलाइन फ्लाइट बुकिंग से संबंधित शिकायत मिली। इसके अलावा रजनीकांत खत्री उर्फ राजा के मोबाइल नंबर से जुड़े यूनियन बैंक के एक खाते के संबंध में गुजरात के वडोदरा शहर के सयाजीगंज थाने में दर्ज साइबर शिकायत का रिकॉर्ड भी सामने आया। उक्त बैंक खाते को उस शिकायत में द्वितीय लेयर का लाभार्थी बताया गया है।

पुलिस उपायुक्त जोधपुर पूर्व कार्यालय की ओर से 18 नवंबर को प्रकरण दर्ज कर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके बाद पुलिस थाना बनाड़ में एफआईआर दर्ज की गई। मामले की जांच उपनिरीक्षक सुरेशचंद मीणा को सौंपी गई है। पुलिस अब आरोपों की जांच, संबंधित बैंक खातों, सोशल मीडिया विज्ञापनों और पेमेंट गेटवे के लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड खंगालने की कार्रवाई कर रही है।

जयपुर के सिंधी कैंप बस स्टैंड से गायब हुई बच्ची बरामद

जयपुर। सिंधी कैंप बस स्टैंड से गायब हुई ढाई साल की बच्ची को पश्चिम जिला पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने बच्ची को अपने पास रखने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बच्ची को उसके पिता के सुपुर्द कर दिया गया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि 18 नवंबर की रात पुलिस कंट्रोल रूम को बस स्टैंड से ढाई साल की बच्ची के गायब होने की सूचना मिली थी। इस पर सिंधी कैंप थानाधिकारी वंदना नरूला के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर बच्ची की तलाश शुरू की गई।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि उत्तर प्रदेश के हाथरस निवासी मनोज कुमार जाटव अपनी ढाई साल की बच्ची के साथ रूपनगढ़ (अजमेर) से गांव जाने के लिए सिंधी कैंप बस स्टैंड पर बस का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान उसकी मुलाकात एक अनजान व्यक्ति से हुई। कुछ ही मिनटों में दोनों के बीच भरोसा हो गया और उन्होंने साथ बैठकर शराब पी। इसके बाद मनोज बच्ची को उस व्यक्ति के पास छोड़कर सामान लेने चला गया। लौटने पर बच्ची और वह व्यक्ति दोनों गायब मिले। पुलिस ने बस स्टैंड के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो संदिग्ध व्यक्ति एक बुजुर्ग महिला के साथ नजर आया। जांच में पता चला कि वह महिला को उत्तर प्रदेश जाने वाली बस में बैठाने आया था। इसके बाद पुलिस ने सिंधी कैंप से उत्तर प्रदेश जाने वाली बसों को ट्रांसपोर्ट नगर में रुकवाकर जांच की और महिला से पूछताछ की। साथ ही शहर में नाकाबंदी कर तलाश तेज की गई। सिंधी कैंप थानाधिकारी वंदना नरूला ने मुरलीपुरा थानाधिकारी वीरेन्द्र कुरील से समन्वय कर मुरलीपुरा क्षेत्र में डोर-टू-डोर जांच करवाई। इस दौरान बेनाड़ रोड स्थित बजरंग कॉलोनी में आरोपी के किराए के मकान से बच्ची सकुशल मिल गई। पुलिस ने बच्ची को उसके पिता मनोज कुमार को सौंप दिया। वहीं पुलिस ने आरोपी पप्पू जाटव (39) निवासी अतरौली जिला अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश), हाल मुरलीपुरा जयपुर को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में सिंधी कैंप थाना पुलिस के साथ मुरलीपुरा और ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस की टीमों ने भी सहयोग किया।

आरडीएक्स और हथियार मिलने के मामले में मुख्य आरोपी कुलवंत गिरफ्तार

अनूपगढ़, (निसं)। राजस्थान एटीएस ने रावला मंडी के गांव 12 केएनडी में आरडीएक्स और हथियार मिलने के मामले में मुख्य आरोपी कुलवंत उर्फ सूखा को गिरफ्तार किया है। एटीएस की टीम उसे फिरोजपुर जेल से प्रोडेक्शन वारंट पर लेकर आई। घड़साना न्यायालय में पेश करने के बाद एटीएस ने 23 नवंबर तक पुलिस रिमांड हासिल किया है।

एटीएस इंस्पेक्टर विनोद सिंह ने बताया कि कुलवंत उर्फ सूखा को पंजाब से प्रोडेक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया गया था। अब उससे पूछताछ कर मामले के अन्य पहलुओं और नेटवर्क से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी।

- **फिरोजपुर जेल से प्रोडेक्शन वारंट पर लाई राजस्थान एटीएस, 23 नवंबर तक रिमांड पर भेजा**
- **कुलवंत उर्फ सूखा पंजाब के जलालाबाद में हुए ग्रेनेड हमले के मामले में भी वांछित है**

कुलवंत उर्फ सूखा पंजाब के जलालाबाद में हुए ग्रेनेड हमले के मामले में भी वांछित है। पंजाब पुलिस ने उस पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया था।

जानकारी के अनुसार 13 अक्टूबर को अनूपगढ़ जिले के रावला मंडी इलाके के गांव 12 केएनडी में करीब 8 किलो आरडीएक्स और अन्य हथियार मिले थे। इसके बाद जांच एजेंसियों ने पाकिस्तान से विस्फोटक और हथियार पहुंचाए जाने के एंगल से जांच शुरू की थी। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के बाद एटीएस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और विस्फोटक पहुंचाने की कड़ियों की जांच कर रही है। आरोपी से 23 नवंबर तक पुलिस रिमांड के दौरान पूछताछ की जाएगी।

पुष्कर मेले में हुये कबड्डी मुकाबले में देसी खिलाड़ियों ने विदेशी टीम को शिकस्त दी



पुष्कर मेले में देसी-विदेशी पर्यटकों के बीच खेल के मुकाबले हुये।

पुष्कर, (निसं)। अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले में इन दिनों देसी-विदेशी पर्यटकों के बीच उत्साह और रोमांच का माहौल बना हुआ है। मेला मैदान में आयोजित खेल एवं पशु प्रतियोगिताएं पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी हुई हैं। इसी क्रम में देसी और विदेशी खिलाड़ियों के बीच रोमांचक कबड्डी मुकाबला हुआ, जिसमें देसी खिलाड़ियों ने विदेशी खिलाड़ियों को 33-21 के अंतर से पराजित कर जीत दर्ज की। मुकाबले में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी।

जानकारी के अनुसार कबड्डी के दौरान विदेशी खिलाड़ियों ने भी अपनी शारीरिक ताकत और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। वहीं कई मौकों पर विदेशी खिलाड़ियों ने भारतीय खिलाड़ियों को उठाकर मैदान में पटका। पूरे मुकाबले में खिलाड़ियों के बीच जोरदार संघर्ष देखने को मिला। हालांकि विदेशी टीम को हार का सामना करना पड़ा, लेकिन खिलाड़ियों का उत्साह कम नहीं हुआ। मुकाबले के बाद विदेशी और भारतीय खिलाड़ियों ने ढोल की थाप पर जमकर नृत्य किया। जीत-हार से परे दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने एक-दूसरे के साथ खुशियां बांटकर खेल भावना और आपसी भाईचारे का संदेश दिया।

जर्मनी से पुष्कर मेले में पहुंचे पर्यटक एंसेल ने बताया कि कबड्डी खेलना उनके लिए शानदार अनुभव रहा। उन्होंने पहली बार इस खेल में हिस्सा लिया और उन्हें काफी आनंद आया। एंसेल ने कहा कि उनकी टीम मुकाबला जरूर हार गई, लेकिन थोड़े अभ्यास से इस खेल में जल्दी महारत हासिल की जा सकती है। उन्होंने पुष्कर मेले के माहौल, यहां के आकर्षण और लोगों की खूब तारीफ की।

वहीं अहमदाबाद से मेले में शामिल होने आई हनर ने बताया कि वह चौथी बार पुष्कर मेले में आई हैं। उन्हें यहां का माहौल और विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं बेहद पसंद हैं। उन्होंने कहा कि वह हर साल पुष्कर आती हैं और अगले साल भी मेले में जरूर शामिल होंगी। कबड्डी मुकाबले को लेकर उन्होंने बताया कि वह अपने विदेशी दोस्तों का समर्थन कर रही थीं, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों का भी पूरा उत्साहवर्धन कर रही थीं।

वहीं कार्तिक एकादशी के अवसर पर शुक्रवार से ब्रह्म सरोवर में पंचतीर्थ स्नान शुरू होने के साथ ही पुष्कर मेले का धार्मिक चरण भी आरंभ हो जाएगा। धार्मिक मेले का समापन 24 नवंबर को महास्नान के साथ होगा। सप्ताहांत और पंचतीर्थ स्नान के चलते मेले के अंतिम दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने की संभावना है। इसे देखते हुए प्रशासन और नगर परिषद की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई हैं। नगर परिषद की ओर से आध्यात्मिक यात्रा को भव्य स्वरूप देने के लिए बाजारों में भगवा ध्वज लगाए जा रहे हैं। वहीं यात्रा मार्ग पर सफाई, रंग-रोगन और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए भी काम किया जा रहा है। पुष्कर मेले में दिनभर पशुओं की खरीद-बिक्री और विभिन्न प्रतियोगिताओं के बीच शाम होते ही मेले की रौनक और बढ़ जाती है। मेला मैदान के आसपास लगे झूले पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

बानसूर में सवा लाख के सात इनामी बदमाश गिरफ्तार, हथियारों का जखीरा बरामद

14 अवैध हथियार, 2 मैगजीन व 15 जिंदा कारतूस जप्त किये

कोटपूतली, (निसं)। अवैध हथियारों और इनामी अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन आर्म्स क्लीन' के तहत बानसूर पुलिस ने क्षेत्र में दहशत फैलाने वाली कुख्यात 'एएम-8584' गैंग के मुख्य सरगना अमन मीणा समेत सात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक इन बदमाशों पर 1 लाख 25 हजार रूपये का इनाम घोषित था।

मामले को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देशन में थानाधिकारी राजेश मीणा के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीम ने पहली कार्रवाई 14 नवम्बर को करते हुए रतनपुरा के गुणी वाले हनुमान मंदिर के पास से गैंग के दो सक्रिय सदस्य रितिक व विकास मीणा को दबोचा। इनके पास से 6 अवैध हथियार व 7 जिंदा कारतूस बरामद हुए। कांस्टेबल लखनसिंह की सूचना पर पुलिस ने अलवर रोड़ नदी क्षेत्र स्थित दांतली पहाड़ी के पास घेराबंदी कर भागने की फिराक में बैठे मुख्य सरगना अमन मीणा को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके बैग से 8 अवैध हथियार, 1 अतिरिक्त मैगजीन व 8 जिंदा कारतूस मिले। वहीं 15 नवंबर को अनुसंधान के बाद पुलिस ने मामले में वांछित अन्य आरोपियों तेजपाल सिंह, संजय कुमार, निखिल बाल्मिकी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कार्यवाही में आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार जप्त किए हैं। जिनमें 10 देशी कट्टे, 3 देशी पिस्टल, 1 देशी रिवॉल्वर, 2 मैगजीन व 15 जिंदा कारतूस शामिल हैं। पुलिस टीम ने मामले में अमन पुत्र जगन प्रसाद मीणा निवासी मीणों का मौहल्ला बानसूर, रितिक सुरेला पुत्र सुमेर सिंह मेघवाल निवासी उधोकाबास थाना बानसूर, विकास पुत्र हीरालाल मीणा निवासी मत्स्य कॉलेज के पीछे नारायणपुर रोड़ बानसूर, तेजपाल सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह राजपूत निवासी बाढ़मावसिंह बानसूर, संजय कुमार पुत्र लालाराम कुम्हार निवासी भीवाली की ढ़ाणी बानसूर,



जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह व अन्य अधिकारियों ने कार्रवाई की जानकारी दी।

- **बानसूर में दहशत फैलाने वाली 'एएम-8584' गैंग के मुख्य सरगना को भी दबोचा**

निखिल वाल्मिकी पुत्र रामभूल वाल्मिकी निवासी वाल्मिकी मौहल्ला बानसूर को गिरफ्तार किया। वहीं उक्त मामले में एक नाबालिग भी शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार विगत 8 नवंबर की रात परिवादी कृष्ण कुमार अपने दोस्तों के साथ बानसूर के सिकंदरेवरा मंदिर के पास से लौट रहे थे। इसी दौरान पुरानी रंजिश के चलते अमन मीणा, रितिक सुरेला, निखिल वाल्मिकी, विकास मीणा, तेजपाल ग्रकुर व अन्य साथियों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने लाठियों और हथियारों से मारपीट कर फायरिंग की और मौके से फरार हो गए। घायल कृष्ण को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसके बाद पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की।